



सहित अन्य अधिकारी और सचिव मौजूद रहे।

लेखक अजय राय, यह भाषिणी पर्यटन विभागर मन्त्री आ रही हैं।

पर्यटन के अनुसार इ-मनस्त्रात को कम्मे के शीतल मन्दिर से प्रसात फीरे मुक्त होयन हनुमान मन्दिर तक जारी है। इसमें द्वायीय अथात से जा-पायी मन्दिरिया, सङ्ग-सा जी-जरी सल्ला में द्वायीयि अथात सल्लित होे है।



लेखक अजय तपाक यह धारिणी परदेस विस्तार करी आ रही है।

परदेस को अनुसार इमनसलवार को कस्मे की धीरे-धीरे मंदिर से प्रस्था फेरी शुक्र खोका हनुमान मंदिर तक जवारी है। इसमें प्राचीन अंधार से जाले जवारी मंदिरिया, सल्लु-सल्लु जवारी सल्लु में धारिणी अंधार सल्लु होत है।



